सोमवार, 23 मार्च, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

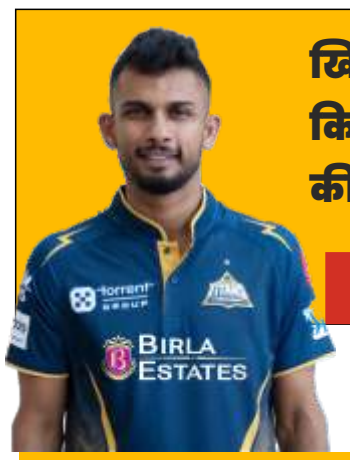

खिलाड़ियों ने PSL को किया नजरअंदाज, IPL की ओर बढ़े कदम

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' ने तोड़े रिकॉर्ड,

Page-05

मिडिल ईस्ट तनाव से श्रीलंका की अर्थव्यवस्था पर भारी असर

पेट्रोल-डीजल के दाम 400 रुपये लीटर के पार

मिडिल ईस्ट संकट का असर अब श्रीलंका की अर्थव्यवस्था पर साफ दिखने लगा है. सरकार ने ईंधन कीमतों में करीब 25% की भारी बढ़ोतरी कर दी है, जिससे आम जनता और परिवहन क्षेत्र पर दबाव बढ़ गया है. बस ऑपरेटरों ने हड़ताल की चेतावनी दी है, जबकि महंगाई बढ़ने की आशंका जताई जा रही है. ऊर्जा संकट ने 2022 जैसी आर्थिक चुनौतियों की यादें ताजा कर दी हैं. मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष का असर अब वैश्विक ऊर्जा बाजारों के साथ-साथ छोटे देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर भी साफ दिखाई देने लगा है. इसी कड़ी में श्रीलंका सरकार ने रविवार को ईंधन की कीमतों में करीब 25% तक बढ़ोतरी कर दी. एक सप्ताह के भीतर यह दूसरी और 1 मार्च के बाद तीसरी बढ़ोतरी है. यह फैसला अमेरिका-इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों और ईरान की जवाबी कार्रवाई के बाद लिया गया है, जिससे पूरे खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है. खास तौर पर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज (Strait of Hormuz) के बंद होने से वैश्विक तेल आपूर्ति पर बड़ा असर पड़ा है. नई बढ़ोतरी के बाद श्रीलंका में ऑटो डीजल की कीमत 303 रुपये से बढ़कर 382 रुपये प्रति लीटर हो गई, जबकि सुपर डीजल 353 से बढ़कर 443 रुपये हो गया. पेट्रोल 92 ऑक्टेन 317 से 398 रुपये और 95 ऑक्टेन 365 से 455 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है. केरोसिन की कीमत में भी 30% से ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज की गई है.

के. सी. त्यागी ने राष्ट्रीय लोक दल का दामन थामा

भारतीय राजनीति के चाणक्य कहे जाने वाले और जनता दल यूनाइटेड (JDU) के पूर्व दिग्गज नेता केसी त्यागी ने रविवार को औपचारिक रूप से राष्ट्रीय लोकदल (RLD) की सदस्यता ग्रहण कर ली है. पार्टी अध्यक्ष जयंत चौधरी ने खुद उन्हें पटका पहनाकर दल में शामिल किया. दरअसल जेडीयू से इस्तीफा देने के बाद से ही त्यागी के अगले कदम को लेकर कयास लगाए जा रहे थे, लेकिन जयंत चौधरी के न्योते ने इन चर्चाओं पर विराम लगा दिया. वहीं आरएलडी में शामिल होते ही केसी त्यागी ने अपने इरादे साफ करते हुए कहा कि वे दोनों सदनों के सदस्य रह चुके हैं और अब उनकी उम्र पद पाने की नहीं, बल्कि अनुभव बांटने की है. त्यागी ने भावुक होते हुए कहा कि वे जयंत चौधरी के भीतर पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की छवि देखते हैं और उनके जीवन का शेष समय जयंत को मजबूत करने के लिए समर्पित रहेगा.

केसी त्यागी ने आरएलडी ज्वाइन करने के बाद एक बड़ा राजनीतिक लक्ष्य सामने रखा. उन्होंने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए कहा कि जिस तरह चौधरी चरण सिंह ने मोरारजी देसाई को प्रधानमंत्री के पद तक पहुँचाने में मुख्य भूमिका निभाई थी, वे चाहते हैं कि आने वाले समय में जयंत चौधरी के हाथों से भी देश के प्रधानमंत्री का मनोनयन हो. उत्तर प्रदेश की राजनीति का जिक्र करते हुए त्यागी ने भविष्यवाणी की कि 2027 के विधानसभा चुनाव तक आरएलडी इतनी सशक्त हो जाएगी कि जयंत चौधरी ही तय करेंगे कि यूपी की सत्ता की कमान किसके हाथ में होगी. उनका यह बयान पश्चिमी यूपी की राजनीति में एक नई हलचल पैदा करने वाला माना जा रहा है.

राजनीतिक गलियारों में आरएलडी की छवि को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच केसी त्यागी ने बड़ा बयान दिया. उन्होंने कहा कि असल मायनों में मुसलमानों की हितैषी पार्टी राष्ट्रीय लोकदल ही है. उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि आजाद भारत में उत्तर प्रदेश से जितने मुस्लिम सांसद चौधरी चरण सिंह ने बनवाए उतने किसी अन्य दल ने नहीं बनवाए.

पीएम मोदी

8,931 दिन और अटूट विश्वास! पीएम मोदी का महा-रिकॉर्ड

- **आजाद भारत के इतिहास में नई उपलब्धि दर्ज**
- **लंबे कार्यकाल ने स्थापित किया मजबूत नेतृत्व**

स्वतंत्र भारत के इतिहास में सरकार के प्रमुख के रूप में सबसे लंबे समय तक सेवा करने का नया कीर्तिमान स्थापित करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देशभर से बधाई संदेश मिल रहे हैं. इस अवसर पर भाजपा सांसद और पूर्व कैबिनेट मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने भी उन्हें बधाई और शुभकामनाएं भेजी. उन्होंने कहा कि 8,931 दिनों तक सरकार के प्रमुख रहकर पीएम मोदी ने नेतृत्व का अनोखा रिकॉर्ड बनाया है. वहीं भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं. वहीं, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 8931 दिनों का सार्वजनिक जीवन सिर्फ एक राजनीतिक यात्रा नहीं, बल्कि निरंतर तप, त्याग और राष्ट्रसेवा का सशक्त उदाहरण है. दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को प्रधानमंत्री मोदी को अभूतपूर्व उपलब्धि पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपके कुशल मार्गदर्शन में हम विकसित भारत के संकल्प की ओर निरंतर अग्रसर रहें, यही मंगलकामना है. उन्होंने आगे लिखा कि करोड़ों देशवासियों ने निरंतर माननीय प्रधानमंत्री जी के ओजस्वी नेतृत्व और उनके दूरदर्शी एवं साहसिक निर्णयों पर अपना अटूट भरोसा जताया है. दशकों का यह निष्काम सेवाकाल, सार्वजनिक जीवन में धैर्य, जनकल्याण और सुशासन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है.

पेट्रोलियम और एनर्जी सेक्टर पर हाई लेवल मीटिंग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज पेट्रोलियम, कच्चा तेल, गैस, बिजली और उर्वरक क्षेत्रों की स्थिति की समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की. पश्चिम एशिया में बदल रही स्थिति को देखते हुए यह बैठक बुलाई गई. बैठक में मुख्य ध्यान देश में इन जरूरी चीजों की आपूर्ति बिना रुके जारी रखने पर था. लॉजिस्टिक्स को स्थिर बनाए रखना और पूरे देश में कुशल वितरण सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण था. प्रधानमंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि कोई कमी न आए. पश्चिम एशिया में घटनाएं तेजी से बदल रही हैं. ऐसे में भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करनी है. बैठक में पेट्रोलियम और कच्चे तेल की उपलब्धता, गैस की आपूर्ति, बिजली क्षेत्र की तैयारी और उर्वरक आपूर्ति श्रृंखला पर विस्तार से चर्चा हुई.

सरकार का फोकस है कि पेट्रोल, डीजल, गैस, बिजली और खेती के लिए जरूरी उर्वरक हर जगह आसानी से मिलते रहें. बैठक में सभी संबंधित मंत्रालयों के अधिकारी मौजूद थे. उन्होंने वर्तमान स्टॉक, आयात विकल्प और वैकल्पिक रास्तों पर रिपोर्ट दी. आम लोगों को राहत देने के लिए सरकार पूरी कोशिश कर रही है. अगर पश्चिम एशिया की स्थिति और खराब होती है तो भी देश में ईंधन और उर्वरक की कीमतें स्थिर रहें और सप्लाई चेन प्रभावित न हो, यह सुनिश्चित किया जाएगा.

COVID-19 के बाद फिर वैश्विक संकट की आशंका

कई देशों में कड़े प्रतिबंधों की तैयारी

कोरोना महामारी के छह साल बाद दुनिया फिर एक बड़े संकट की ओर बढ़ रही है. लेकिन इस बार यह कोई नया वायरस नहीं, बल्कि तेल संकट से जुड़ा है. ईरान युद्ध की वजह से होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल आपूर्ति रुक गई है. इससे दुनिया भर में तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं. कई देशों में ईंधन राशनिंग शुरू हो गई है. अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) ने 10 सूत्री योजना जारी की है. इसमें कोविड जैसी सख्ती से मांग कम करने के उपाय बताए गए हैं. लोग इसे 'एनर्जी लॉकडाउन' कह रहे हैं. ये उपाय सरकारों, कंपनियों और आम लोगों के लिए हैं. अगर लागू हुए तो रोजमर्रा की जिंदगी पर कोविड जैसा असर पड़ेगा. यात्रा कम होगी, ईंधन पर पाबंदी लगेगी और अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी. अमेरिका में पेट्रोल की कीमत 5 डॉलर प्रति गैलन तक पहुंच गई है. जापान में ऊर्जा वाउचर बांटे जा रहे हैं. दक्षिण कोरिया, बांग्लादेश, फिलीपींस और श्रीलंका में पेट्रोल के लिए लंबी कतारें लग रही हैं. ऑस्ट्रेलिया ने लोगों से गैर-जरूरी यात्राएं कम करने की अपील की है. एयरलाइंस उड़ानें घटा रही हैं. यूनाइटेड एयरलाइंस ने 5 प्रतिशत उड़ानें कम कर दी हैं. तेल की कीमतें 112 डॉलर प्रति बैरल तक चली गई हैं.

राष्ट्रीय जांच एजेंसी की कार्रवाई के बाद अंतरराष्ट्रीय हलचल

रूस ने यूक्रेन पर तेजी से हमले किए

भारत की NIA द्वारा 6 यूक्रेनी नागरिकों की गिरफ्तारी ने रूस और यूक्रेन के बीच एक नया कूटनीतिक टकराव छेड़ दिया है, जिसमें दोनों देश एक-दूसरे पर साजिश और नव-नाजीवाद के आरोप लगा रहे हैं। यह मामला म्यांमार से अवैध घुसपैठ और एक आतंकी समूह को ट्रेनिंग देने के गंभीर आरोपों से जुड़ा है।

भारत की राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने दिल्ली, कोलकाता और लखनऊ के हवाई अड्डों से कुल सात विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनमें छह नागरिक यूक्रेन के हैं और एक अमेरिका का है। इन सभी पर आरोप है कि वे म्यांमार के रास्ते भारत के उत्तर-पूर्वी हिस्से में अवैध रूप से दाखिल हुए थे। सुरक्षा एजेंसियों को शक है कि ये लोग 'पीपल्स डिफेंस फोर्स' नामक संगठन को ट्रेनिंग दे रहे थे, जिसे म्यांमार की सैन्य सरकार ने आतंकवादी घोषित कर रखा है। इस घटना पर रूस ने यूक्रेन की सरकार पर कड़ा तंज कसा है। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने यूक्रेन प्रशासन को 'नव-नाजी' बताते हुए कहा कि वे अपने नागरिकों की संदिग्ध गतिविधियों को छिपाना चाहते हैं। जखारोवा ने अपने बयान में कहा, 'नई दिल्ली में यूक्रेनी दूतावास की प्रतिक्रिया से साफ है कि वे इस मामले को दबाना चाहते थे। भारतीय कानूनों के उल्लंघन पर तो चुप्पी साध ली, लेकिन उल्टा भारतीय और रूसी समाचार एजेंसियों पर ही गलत खबरें फैलाने का आरोप लगा दिया।' वहीं, यूक्रेन ने इन गिरफ्तारियों को एक सोची-समझी राजनीतिक साजिश करार दिया है। यूक्रेनी दूतावास ने इस बात पर चिंता जताई है कि यह पूरी कार्रवाई रूस द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर की गई है।

दूतावास की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि मीडिया रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि यह कार्रवाई रूसी पक्ष की सूचना पर हुई है। मौजूदा तथ्यों को देखते हुए हमें डर है कि यह मामला राजनीतिक रूप से प्रेरित और एक गहरी साजिश का हिस्सा हो सकता है।

वैष्णो देवी में नवरात्रि पर उमड़ा आस्था का सैलाब

चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन शनिवार को माता वैष्णो देवी के दरबार में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। शनिवार और रविवार की छुट्टी होने के कारण शाम तक करीब 41 हजार श्रद्धालु अपना रजिस्ट्रेशन कराकर भवन की ओर रवाना हो चुके थे। भक्तों की इस भारी संख्या को देखते हुए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने शाम 4:45 बजे सभी यात्रा पंजीकरण केंद्रों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया। इस बीच, देशभर से श्रद्धालुओं का आधार शिविर कटड़ा पहुंचने का सिलसिला लगातार जारी है, जिससे वहां सुरक्षा और प्रबंधन की चुनौतियां बढ़ गई हैं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कटड़ा से लेकर भवन तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पुलिस, सीआरपीएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के जवान हर जगह तैनात हैं। कटड़ा में अभी भी 8 से 10 हजार श्रद्धालु यात्रा शुरू करने का इंतजार कर रहे हैं, जिनसे श्राइन बोर्ड ने धैर्य बनाए रखने की अपील की है।

वैश्विक दबाव के बीच तनाव कम करने के संकेत

होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान नरम पड़ा

होर्मुज जलडमरूमध्य पर Iran के नरम रुख ने वैश्विक राजनीति और ऊर्जा बाजारों में एक नई उम्मीद जगाई है। हाल के दिनों में बढ़ते तनाव के बीच यह आशंका गहराने लगी थी कि Strait of Hormuz को बंद किया जा सकता है, जिससे दुनिया की तेल आपूर्ति पर गंभीर असर पड़ता। लेकिन अब ईरान द्वारा नरमी दिखाने और United States तथा Israel के लिए रास्ता खोलने के संकेतों ने हालात को कुछ हद तक स्थिर किया है। यह जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है, जहां से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल गुजरता है। यदि यहां कोई बाधा उत्पन्न होती, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था पर उसका सीधा असर पड़ता, खासकर भारत जैसे ऊर्जा आयातक देशों पर। ईरान का यह कदम न केवल तनाव कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण है, बल्कि कूटनीतिक समाधान की संभावनाओं को भी मजबूत करता है।

ईरान ने दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते 'होर्मुज़ जलडमरूमध्य' को लेकर अपने रुख में थोड़ी नरमी दिखाई है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के प्रतिनिधि अली मौसवी ने कहा है कि यह जलमार्ग उन सभी जहाजों के लिए खुला रहेगा जिनका संबंध 'ईरान के दुश्मनों' (अमेरिका और इजरायल) से नहीं है।

यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस धमकी के कुछ ही घंटों बाद आया है, जिसमें उन्होंने 48 घंटे के भीतर रास्ता न खुलने पर ईरान के पावर प्लांट्स को तबाह करने की चेतावनी दी थी। ईरान ने स्पष्ट किया है कि अन्य देशों के जहाज तेहरान के साथ सुरक्षा तालमेल बिठाकर यहाँ से गुजर सकते हैं।

ईरानी प्रतिनिधि ने अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन के साथ सहयोग करने की इच्छा जताई है ताकि खाड़ी क्षेत्र में नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। हालांकि, उन्होंने यह भी तर्क दिया कि इस तनाव की असली वजह इजरायल और अमेरिका द्वारा ईरान पर किए जा रहे हमले हैं। मौसवी के अनुसार, ईरान अभी भी कूटनीति को प्राथमिकता दे रहा है, लेकिन शांति के लिए

बाहरी आक्रामकता का रुकना और आपसी भरोसा कायम होना बेहद जरूरी है। बता दें कि 28 फरवरी से ईरान ने इस रास्ते को बंद कर रखा था, जिससे दुनिया भर में ऊर्जा संकट का खतरा पैदा हो गया है।

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया की कुल तेल और गैस सप्लाई के लगभग पांचवें हिस्से का मुख्य जरिया है। ईरान ने पहले संकल्प लिया था कि वह अमेरिका और इजरायल तक एक लीटर तेल भी नहीं पहुंचने देगा। इस तनाव के बीच अमेरिका ने जहाजों को सुरक्षा देने के लिए एक नौसैनिक गठबंधन बनाने की कोशिश की थी, लेकिन अधिकांश नाटो सहयोगियों ने इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया है। सहयोगी देशों का कहना है कि वे ईरान के खिलाफ किसी भी सैन्य टकराव का हिस्सा नहीं बनना चाहते। फिलहाल, ईरान के इस नए बयान से उन देशों को थोड़ी राहत मिल सकती है जो इस रास्ते पर निर्भर हैं।

लद्दाख पर नरम पड़े सोनम वांगचुक? बोले- केंद्र सरकार से 'विन-विन' समाधान पर बात करेंगे

लद्दाख के मशहूर जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने 170 दिनों की हिरासत के बाद जेल से छूटने पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि अपने लोगों और पहाड़ों के बीच वापस आकर उन्हें बहुत अच्छा लग रहा है। वांगचुक को पिछले साल सितंबर में लेह में हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में लिया गया था। अब सरकार द्वारा आदेश वापस लेने के बाद उनकी रिहाई हुई है। वांगचुक ने इस संघर्ष में साथ देने के लिए पूरे देश का धन्यवाद किया और उम्मीद जताई कि जिस उद्देश्य के लिए वे लड़ रहे हैं, उसके लिए जल्द ही एक 'नई सुबह' आएगी। सोनम वांगचुक ने लद्दाख की राजनीतिक मांगों को लेकर केंद्र सरकार के साथ बातचीत में एक लचीला रुख अपनाने का संकेत दिया है। उन्होंने कहा कि वे 'लेन-देन' के आधार पर समाधान निकालने के पक्ष में हैं। वांगचुक के अनुसार, बातचीत का उद्देश्य ऐसी स्थिति बनाना होना चाहिए जहां दोनों पक्षों का फायदा हो। हालांकि, लद्दाख के अन्य प्रमुख संगठनों ने साफ कर दिया है कि वे अपनी मुख्य मांगों पर कोई समझौता नहीं करेंगे, लेकिन वांगचुक का मानना है कि आपसी समझ और लचीलेपन से ही बातचीत सफल हो सकती है।

वांगचुक ने स्पष्ट किया कि आने वाली बातचीत मुख्य रूप से दो बड़े मुद्दों पर टिकी होगी,लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करना और वहां लोकतंत्र की बहाली (पूर्ण राज्य का दर्जा या विधानसभा)। उन्होंने कहा कि अगर दोनों मांगों पर सहमति नहीं बनती, तो वे उम्मीद करते हैं कि कम से कम एक मुद्दे पर बात जरूर बनेगी। उनके मुताबिक, बातचीत ऐसी नहीं होनी चाहिए जहां किसी एक पक्ष को हार माननी पड़े, बल्कि यह 'जीत-जीत' वाली स्थिति होनी चाहिए जिसमें दोनों पक्ष एक-दूसरे की जरूरतों और चिंताओं का सम्मान करें।

असम चुनाव से पहले बीजेपी में बगावत

असम में 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी के भीतर टिकट बंटवारे को लेकर भारी असंतोष पैदा हो गया है। कई मौजूदा विधायकों और वरिष्ठ नेताओं ने टिकट न मिलने पर पार्टी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और निर्दलीय चुनाव लड़ने की धमकी दी है। इस संकट को टालने के लिए मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया नाराज नेताओं को मनाने की कोशिशों में जुटे हैं। विवाद की मुख्य वजह कांग्रेस से आए नेताओं को तुरंत टिकट देना और पुराने समर्पित कार्यकर्ताओं की अनदेखी करना बताया जा रहा है। सबसे तीखा विरोध दिसपुर निर्वाचन क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। वरिष्ठ नेता जयंत दास, जो इस सीट से प्रबल दावेदार थे, ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के खिलाफ सीधा विद्रोह कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस से आए करीबियों को तरजीह देकर भाजपा को 'कांग्रेस-भाजपा' बना दिया गया है। जयंत दास ने पार्टी छोड़ दी है और वे निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर मैदान में

उतर सकते हैं। इसी तरह बिहपुरिया सीट पर मौजूदा विधायक अमिया कुमार भुइंया की जगह कांग्रेस से आए भूपेन बोरा को टिकट देने से भी स्थानीय कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश है। पार्टी ने कई बड़े चेहरों के टिकट काट दिए हैं, जिनमें वरिष्ठ नेता अतुल बोरा और पूर्व मंत्री सिद्धार्थ भट्टाचार्य शामिल हैं। अतुल बोरा 1985 से राजनीति में सक्रिय हैं और दो बार भाजपा विधायक रह चुके हैं, जबकि भट्टाचार्य ने ही 2015 में हिमंत बिस्वा सरमा को भाजपा में लाने में बड़ी भूमिका निभाई थी।

इनके अलावा, जोरहाट के पूर्व सांसद तपन कुमार गोगोई भी सोनारी सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने की योजना बना रहे हैं। गुवाहाटी मध्य सीट पर पहली बार किसी हिंदी भाषी (विजय गुप्ता) को उम्मीदवार बनाए जाने से भी स्थानीय मतदाताओं के एक वर्ग में नाराजगी देखी जा रही है।

संपादक की कलम से

आज के दौर में नफरत भरे भाषण (हेट स्पीच) समाज के सामने एक गंभीर चुनौती बनकर उभरे हैं। सवाल यह है कि आखिर हमारे हुक्मरान इस पर कब सजग और सक्रिय होंगे? यह एक यक्ष प्रश्न बन चुका है, जिसका उत्तर केवल कानून बनाने से नहीं, बल्कि उसकी सख्ती से पालन कराने से ही संभव है।भारत जैसे विविधता से भरे देश में जहां धर्म, भाषा, जाति और संस्कृति की अनेक धाराएं बहती हैं, वहां आपसी सौहार्द बनाए रखना बेहद जरूरी है। लेकिन राजनीतिक लाभ, सामाजिक ध्रुवीकरण और तात्कालिक लोकप्रियता के लिए कई बार भड़काऊ भाषणों का सहारा लिया जाता है। इससे न केवल समाज में तनाव बढ़ता है, बल्कि लोकतंत्र की मूल भावना भी कमजोर होती है।कानून की दृष्टि से देखें तो भारत में हेट स्पीच को रोकने के लिए कई प्रावधान मौजूद हैं। भारतीय दंड संहिता की धाराएं और चुनाव आयोग के नियम इस दिशा में स्पष्ट दिशा-निर्देश देते हैं। इसके बावजूद, इनका प्रभावी क्रियान्वयन अक्सर सवालों के घेरे में रहता है। कई मामलों में कार्रवाई में देरी या राजनीतिक पक्षपात की आशंका स्थिति को और जटिल बना देती है।हुक्मरानों की जिम्मेदारी केवल कानून बनाना नहीं, बल्कि एक सकारात्मक और समावेशी वातावरण तैयार करना भी है। नेताओं के शब्दों का समाज पर गहरा प्रभाव पड़ता है, इसलिए उन्हें अपने बयान देते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। यदि शीर्ष स्तर से संयम और संवेदनशीलता का संदेश जाएगा, तो इसका असर जमीनी स्तर पर भी दिखाई देगा।इसके साथ ही, समाज और नागरिकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। सोशल मीडिया के दौर में हर व्यक्ति एक प्रकार से सूचना का प्रसारक बन गया है। ऐसे में अफवाहों और नफरत फैलाने वाले संदेशों को रोकना हम सभी की जिम्मेदारी है। जागरूक नागरिक ही एक स्वस्थ समाज की नींव रख सकते हैं।अंततः, यह समझना होगा कि नफरत से किसी का भला नहीं होता। यह केवल विभाजन और हिंसा को जन्म देती है। यदि हमें एक मजबूत, शांतिपूर्ण और विकसित भारत का निर्माण करना है, तो नफरत भरे भाषणों के खिलाफ ठोस और निष्पक्ष कार्रवाई जरूरी है। यही समय की मांग है और यही उस यक्ष प्रश्न का उत्तर भी।

मुनेश शुक्ला
संपादक

चुनावी माहौल में बढ़ी सियासी तल्खी

लोकतांत्रिक मर्यादाओं पर उठे सवाल

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि वे लोकतंत्र की परिपक्वता, जनविश्वास और राजनीतिक संस्कृति की परीक्षा भी होते हैं। जब किसी राज्य या क्षेत्र में चुनाव की घोषणा होती है तो स्वाभाविक रूप से राजनीतिक गतिविधियां तेज हो जाती हैं, आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता है और दल अपने-अपने एजेंडे को लेकर जनता के बीच पहुंचते हैं। किंतु इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में एक संस्था की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है-भारत का चुनाव आयोग। यही संस्था सुनिश्चित करती है कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और हिंसा-मुक्त वातावरण में संपन्न हों। इस बार असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल जैसे चार बड़े राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों की घोषणा के साथ ही देश की राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इन पांचों स्थानों की कुल 824 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है और देश के 17.4 करोड मतदाताओं के मन एवं मानसिकता की जानकारी भी मिलेगी। पिछली बार की तुलना में इस बार मतदान कम चरणों में संपन्न कराया जा रहा है, जो प्रशासनिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण परिवर्तन माना जा सकता है। असम, केरल और पुडुचेरी में जहां 9 अप्रैल को मतदान प्रस्तावित है, वहीं तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होना है। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में आयोजित किए जा रहे हैं-पहले चरण में 23 अप्रैल को 152 सीटों पर और दूसरे चरण में 29 अप्रैल को 142 सीटों पर मतदान होगा। इन चुनावों की ओर पूरे देश की निगाहें लगी हुई हैं, क्योंकि इनके परिणाम केवल इन राज्यों की राजनीति ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य को भी प्रभावित कर सकते हैं।

इन चुनावों का महत्व केवल राजनीतिक सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य की भी परीक्षा है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में लंबे समय से राजनीतिक संघर्ष और टकराव की स्थिति देखने को मिलती रही है। वहां सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के बीच तीखी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा है। इस प्रतिस्पर्धा के कारण कई बार चुनावी हिंसा और राजनीतिक तनाव की घटनाएं भी सामने आती रही हैं। इसलिए यह चुनाव केवल सत्ता की लड़ाई नहीं बल्कि यह भी एक कसौटी है कि क्या लोकतांत्रिक प्रक्रिया हिंसा और भय से मुक्त रहकर संपन्न हो सकती है। लोकतंत्र का मूल आधार यह है कि प्रत्येक मतदाता बिना किसी दबाव, भय या प्रलोभन के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में इस आदर्श को बनाए रखना

> इन चुनावों का महत्व केवल राजनीतिक सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य की भी परीक्षा है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में लंबे समय से राजनीतिक संघर्ष और टकराव की स्थिति देखने को मिलती रही है। वहां सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के बीच तीखी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा है।

आसान नहीं है। चुनाव आयोग के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही होती है कि चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बनी रहे। इसके लिए आयोग को सुरक्षा बलों की तैनाती, मतदान केंद्रों की व्यवस्था, इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों की सुरक्षा और मतदाता सूची की शुद्धता जैसे अनेक पहलुओं पर लगातार निगरानी रखनी पड़ती है। इसके अतिरिक्त राजनीतिक दलों और उनके कार्यकर्ताओं के आचरण पर भी नजर रखना जरूरी होता है ताकि चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन न हो।

इन चुनावों के संदर्भ में पश्चिम बंगाल विशेष चर्चा का विषय बना हुआ है। लंबे समय से वहां राजनीतिक हिंसा और टकराव की घटनाएं सामने आती रही हैं। कई विश्लेषकों का मानना है कि इस बार वहां सत्ता परिवर्तन की संभावना के कारण राजनीतिक संघर्ष और तीखा हो सकता है। सत्तारूढ़ नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करने वाली ममता बनर्जी की सरकार के सामने सत्ता बनाए रखने की चुनौती है, वहीं विपक्ष अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। इस परिस्थिति में चुनाव आयोग की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वह मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण बनाए रखे। दूसरी ओर केरल और तमिलनाडु की राजनीति भी अपने विशिष्ट स्वरूप के कारण चर्चा में रहती है। केरल में आमतौर पर सत्ता दो प्रमुख राजनीतिक मोर्चों के बीच बदलती रही है, जबकि तमिलनाडु की राजनीति क्षेत्रीय दलों के प्रभाव के लिए जानी जाती है। इन राज्यों में चुनावी प्रतिस्पर्धा तीव्र होती है, किंतु अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण वातावरण में मतदान की परंपरा भी देखने को मिलती है। असम की स्थिति भी अलग है, जहां पूर्वोत्तर भारत की राजनीति के संदर्भ में चुनाव के परिणाम महत्वपूर्ण माने जाते हैं। यदि वहां सत्तारूढ़ दल फिर से सत्ता में लौटता है तो यह क्षेत्रीय राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत माना जाएगा।

इसके साथ ही मतदाताओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है। यदि मतदाता जागरूक और सजग हों तो वे ऐसे नेताओं और दलों को प्रोत्साहित करेंगे जो लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करते हैं। मतदाताओं को यह समझना होगा कि उनका वोट केवल एक राजनीतिक विकल्प नहीं बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की दिशा तय करने वाला निर्णय भी है। इन पांच क्षेत्रों में होने वाले चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे यह संदेश देंगे कि भारत का लोकतंत्र किस दिशा में आगे बढ़ रहा है। यदि ये चुनाव शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न होते हैं तो यह न केवल देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए भी एक सकारात्मक उदाहरण होगा। भारत को अक्सर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र

ममता बनर्जी के गढ़ में चुनौती तेज

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपनी पहली और दूसरी सूची जारी कर साफ संकेत दे दिया है कि इस बार वह आधी अधूरी तैयारी के साथ नहीं बल्कि पूरी ताकत, पूरी रणनीति और पूरी आक्रामकता के साथ मैदान में उतरी है। खासतौर पर दूसरी सूची में 111 उम्मीदवारों के नामों पर नजर डालने पर पता चलता है कि एक एक सीट पर गहरे मंथन के बाद उम्मीदवार तय किये गये हैं। हम आपको बता दें कि हिंगलगंज से रेखा पात्रा, खड़दह से कल्याण चक्रवर्ती, सोनारपुर दक्षिण से रूपा गांगुली, मथाभांगा से निसिथ प्रमाणिक, चोपड़ा से शंकर अधिकारी, बैरकपुर से कौस्तव बागची, कमरहाटी से अरूप चौधरी जैसे नाम सीधे चुनावी मुकाबले को और दमदार बना रहे हैं। इसके अलावा एंटाली से प्रियंका तिबरेवाल और मणिकतला से तपस रॉय जैसे उम्मीदवार राजनीतिक समीकरणों को पूरी तरह बदलने की क्षमता रखते हैं।

अगर पहली सूची पर नजर डालें तो वहां भी बड़े नामों की भरमार है। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी को नंदीग्राम के साथ-साथ भवानीपुर से उतारकर पार्टी ने

सीधे ममता बनर्जी को चुनौती दे दी है। दिलीप घोष, स्वपन दासगुप्ता, अग्निमित्रा पाल, रुद्रनील घोष और बंकिम चंद्र घोष जैसे चेहरे इस चुनाव को हाई वोल्टेज बना रहे हैं। खास बात यह है कि इस बार पार्टी ने सिर्फ चर्चित चेहरों पर नहीं बल्कि जमीनी कार्यकर्ताओं पर भी भरोसा दिखाया है। आउसग्राम से कलिता माजी जैसी साधारण पृष्ठभूमि की कार्यकर्ता को टिकट देना इसी रणनीति का हिस्सा है।

इस चुनाव का एक और बड़ा और चौंकाने वाला पहलू है पूर्व पुलिस आयुक्त डॉ. राजेश कुमार का राजनीति में प्रवेश। यह सिर्फ एक उम्मीदवार का नाम नहीं बल्कि भाजपा की रणनीतिक चाल है। डॉ. राजेश कुमार का प्रशासनिक अनुभव, वित्त और प्रबंधन में गहरी समझ और कानून व्यवस्था पर मजबूत पकड़ उन्हें एक अलग ही स्तर का नेता बनाती है। कोलकाता के पुलिस आयुक्त के रूप में उनका कार्यकाल, अपराध जांच विभाग और यातायात सुरक्षा जैसे अहम पदों पर उनकी भूमिका उन्हें आम नेता से अलग पहचान देती है। उनकी छवि एक सख्त लेकिन न्यायप्रिय अधिकारी की रही है। मानव तस्करी के खिलाफ उनकी मुहिम और कमजोर वर्गों की सुरक्षा के लिए किए गए काम उन्हें जनता के बीच भरोसेमंद चेहरा बनाते हैं। भाजपा के लिए यह कदम इसलिए भी फायदेमंद है क्योंकि बंगाल में कानून व्यवस्था एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है। ऐसे में एक पूर्व शीर्ष पुलिस अधिकारी का चुनावी मैदान में उतरना सीधे तौर पर संदेश देता है कि पार्टी व्यवस्था सुधारने के लिए गंभीर है। राजनीतिक रूप से भी यह दांव गहरा है। डॉ. राजेश कुमार का प्रशासनिक और बौद्धिक कद भाजपा को उस वर्ग में भी मजबूती देगा जो अब तक तटस्थ रहा है। उनकी कानूनी लड़ाइयों ने यह भी साबित किया है कि वह दबाव में झुकने वाले नहीं हैं। यह छवि भाजपा के लिए चुनाव में बड़ी पूंजी साबित हो सकती है। इस चुनाव को और भावनात्मक और विस्फोटक बनाने वाला मुद्दा है आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना।

नई शिक्षा नीति के तहत डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा

स्कूलों में शुरू होंगे स्मार्ट क्लासरूम

देश में शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक और तकनीकी रूप से मजबूत बनाने के लिए सरकार लगातार नए कदम उठा रही है। इसी दिशा में नई शिक्षा नीति के तहत डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम और डिजिटल लर्निंग की सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना पर काम कर रही हैं।शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार, आने वाले समय में सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में आधुनिक तकनीक से लैस कक्षाएं शुरू की जाएंगी। इन स्मार्ट क्लासरूम में प्रोजेक्टर, इंटरैक्टिव बोर्ड, डिजिटल कंटेंट और इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे विद्यार्थियों को पढ़ाई को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी।विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटल शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को कठिन विषयों को समझने में आसानी होगी। विज्ञान, गणित और अन्य विषयों को वीडियो, ग्राफिक्स और एनिमेशन की मदद से समझाया जाएगा, जिससे पढ़ाई अधिक रोचक और प्रभावी बन सकेगी। इससे विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता भी बढ़ेगी।शिक्षा विभाग ने यह भी बताया कि शिक्षकों को भी नई तकनीक के उपयोग के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी, ताकि शिक्षक डिजिटल उपकरणों का सही तरीके से उपयोग कर सकें और विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा दे सकें।इसके अलावा, ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को भी डिजिटल शिक्षा से जोड़ने की योजना बनाई गई है। सरकार का लक्ष्य है कि हर छात्र तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचे और तकनीक के माध्यम से शिक्षा के स्तर को और बेहतर बनाया जा सके।शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यदि इस योजना को प्रभावी तरीके से लागू किया गया, तो आने वाले वर्षों में देश की शिक्षा व्यवस्था में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। इससे विद्यार्थियों को आधुनिक ज्ञान और कौशल हासिल करने में मदद मिलेगी, जो उनके भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

स्कूलों और कॉलेजों में एआई शिक्षा की शुरुआत नई तकनीक सीखने का मिलेगा अवसर

देश में तेजी से बढ़ती तकनीक को देखते हुए अब स्कूलों और कॉलेजों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की पढ़ाई को बढ़ावा दिया जा रहा है। शिक्षा मंत्रालय और कई शैक्षणिक संस्थानों ने मिलकर छात्रों को एआई और नई डिजिटल तकनीकों से परिचित कराने की योजना बनाई है। इसका उद्देश्य छात्रों को भविष्य की तकनीकी दुनिया के लिए तैयार करना है।शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में एआई का उपयोग लगभग हर क्षेत्र में बढ़ेगा, चाहे वह शिक्षा हो, स्वास्थ्य सेवाएं, उद्योग या सूचना प्रौद्योगिकी। ऐसे में छात्रों को शुरुआती स्तर पर ही इस तकनीक की जानकारी देना बेहद जरूरी हो गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए कई स्कूलों में एआई से जुड़े बेसिक पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं।नई पहल के तहत छात्रों को एआई की मूल अवधारणाओं, मशीन लर्निंग, डेटा विश्लेषण और ऑटोमेशन जैसे विषयों की जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही उन्हें प्रैक्टिकल प्रोजेक्ट और डिजिटल लैब के माध्यम से तकनीक को समझने का अवसर भी मिलेगा। इससे छात्र न केवल सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करेंगे, बल्कि तकनीक का व्यावहारिक उपयोग भी सीख सकेंगे।कई शैक्षणिक संस्थान पहले ही एआई लैब स्थापित करने की दिशा में काम शुरू कर चुके हैं। इन लैब में आधुनिक कंप्यूटर सिस्टम, सॉफ्टवेयर और डिजिटल उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि छात्र नई तकनीकों के साथ प्रयोग कर सकें और अपनी समझ को बेहतर बना सकें।शिक्षकों को भी एआई से जुड़ी तकनीकों के उपयोग के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके लिए समय-समय पर कार्यशालाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि शिक्षक छात्रों को बेहतर तरीके से मार्गदर्शन दे सकें।

अमेलिया टी20 अंतरराष्ट्रीय में, पुरुषों और महिलाओं, दोनों के क्रिकेट में लगातारसबसे ज्यादा 30 से अधिक स्कोर बनाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं।

पाकिस्तान टीम में 'जहरीला माहौल'!

गैरी कर्स्टन ने इस्तीफे पर खोली पोल

पाकिस्तान के पूर्व श्वेत-गेंद क्रिकेट के मुख्य कोच गैरी कर्स्टन ने हाल ही में टीम से अपने इस्तीफे के बारे में बात की। उन्होंने टीम के भीतर के माहौल को कठिन बताया। उन्होंने कार्य संस्कृति को विषाक्त बताते हुए टीम के भीतर सम्मान और शिष्टाचार की कमी की बात कही। यह दिलचस्प बात है कि गैरी कर्स्टन ने अक्टूबर 2024 में पाकिस्तान के श्वेत-गेंद क्रिकेट के मुख्य कोच पद से इस्तीफा दे दिया, जबकि उनका कार्यकाल शुरू हुए महज छह महीने ही बीते थे और उन्होंने एक भी वनडे मैच नहीं खेला था। टॉकस्पोर्ट क्रिकेट को दिए एक साक्षात्कार में कर्स्टन ने कहा कि जिस बात ने मुझे सबसे ज्यादा चौंकाया, वह थी हस्तक्षेप का स्तर। मुझे नहीं लगता कि मैंने इससे पहले कभी इस स्तर का हस्तक्षेप देखा है। क्या इसने मुझे चौंकाया? मैं नहीं जानता, लेकिन यह काफी महत्वपूर्ण था। इसके अलावा, कर्स्टन ने बताया कि जब भी कुछ गड़बड़ होती थी, कोचिंग स्टाफ को तुरंत बलि का बकरा बना दिया जाता था। उन्होंने बताया कि लगातार बाहरी शोर-शराबे से प्रभावित होकर टीम का मार्गदर्शन करना कितना मुश्किल हो सकता है। उन्होंने बोर्ड से यह भी सवाल किया कि अगर वे हर मोड़ पर कोच को ही दोष देते हैं, तो कोच की भर्ती क्यों करते हैं। कर्स्टन ने कहा कि जब बाहर से लगातार शोर-शराबा होता रहता है, तो कोच के लिए आकर खिलाड़ियों के साथ काम करने का तरीका खोजना बहुत मुश्किल होता है।

मानव ठक्कर और यशस्विनी घोरपड़े बने नए चैंपियन

पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड (पीएसपीबी) के मानव ठक्कर और यशस्विनी घोरपड़े ने शनिवार को यहां सीनियर राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप में अपना पहला एकल खिताब जीता। पुरुषों के फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त मानव ने अपेक्षानुरूप प्रदर्शन करते हुए रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) के जीत चंद्र पर 4-1 (11-2 11-4 6-11 11-9 11-3) की शानदार जीत हासिल की। इसके विपरीत महिला एकल के फाइनल में काफी कड़ा मुकाबला देखने को मिला तथा आखिर तक रोमांच बन रहा। आखिर में यशस्विनी ने अपना नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज करा लिया। उन्होंने फाइनल में पीएसपीबी की युवा खिलाड़ी सिंड्रेला दास पर 4-3 (11-6 12-14 11-5 9-11 13-11 6-11 11-8) से जीत हासिल करके खिताब अपने नाम किया। मिश्रित युगल फाइनल में अंकुर भट्टाचार्जी (पश्चिम बंगाल) और सुहाना सैनी (हरियाणा) ने अनिकेत बोस और सम्प्रीति रॉय की पश्चिम बंगाल की जोड़ी को पांच गेम के रोमांचक मुकाबले में 3-2 (11-9 11-7 9-11 13-15 12-10) से हराया। इस बीच दिव्यांशी भौमिक को सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करने वाले युवा खिलाड़ी को दिए जाने वाले डी विश्व ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

खिलाड़ियों ने PSL को किया नजरअंदाज, IPL की ओर बढ़े कदम

पाकिस्तान सुपर लीग का नया सीजन 26 मार्च से शुरू हो रहा है, लेकिन PSL को झटके पे झटके लगे जा रहा है. हाल ही में जिम्बाब्वे के साढ़े 6 फुट लंबे गेंदबाज ब्लेसिंग मुजारबानी ने पीएसएल कॉन्ट्रैक्ट को ठोकर मार IPL टीम कोलकाता नाइट राइडर्स को जॉइन किया था. अब श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के कप्तान दासुन शनाका भी PSL कॉन्ट्रैक्ट को लात मारकर राजस्थान रॉयल्स टीम में एंट्री मारने के करीब हैं. क्रिकबज के अनुसार राजस्थान रॉयल्स के एक अधिकारी ने बताया कि वे दासुन शनाका को साइन करने के बहुत करीब हैं और कुछ अंतिम औपचारिकताएं बाकी रह गई हैं. शनाका, राजस्थान टीम में सैम करॅन की जगह ले रहे होंगे, जो चोट के कारण आईपीएल 2026 से बाहर हो चुके हैं. पिछले साल दिसंबर में हुए मिनी ऑक्शन में शनाका अनसोल्ड रहे थे. उसके बाद PSL ऑक्शन में लाहौर कलंदर्स ने उन्हें 75 लाख पाकिस्तानी रुपये की बोली लगाकर खरीदा था. राजस्थान रॉयल्स द्वारा दासुन शनाका को टारगेट करना कोई चौंकाने वाला फैसला नहीं है. वो भी ऑलराउंडर हैं और बहुत अच्छे ढंग से सैम करॅन की जगह ले सकते हैं. मगर इसका मुख्य कारण राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच कुमार संगाकारा हैं, जो श्रीलंका से आते हैं. वहीं टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान विक्रम राठौड़ श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच रहे थे. राठौड़ अब राजस्थान टीम में संगाकारा के साथ सहायक कोच हैं. इसलिए दोनों शनाका के खेलने के तरीके से अच्छी तरह वाकिफ हैं.खिलाड़ी लगातार PSL छोड़ इंडियन प्रीमियर लीग में आ रहे हैं, इससे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की चिंता भी बढ़ी है. पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने मीडिया से वार्ता में बताया कि जिन भी खिलाड़ियों ने PSL कॉन्ट्रैक्ट तोड़ा है, उनके खिलाफ लीगल एक्शन लिया जा सकता है.

बेरूत के खंडहरों में बैठ सेलो बजाते कलाकार का वीडियो वायरल

बारूद के ढेर पर 'उम्मीद' की धुन

युद्ध की विभीषिका झेल रहे लेबनान की राजधानी बेरूत से एक बेहद भावुक वीडियो सामने आया है. लेबनानी सेलो वादक महदी साहेली इजरायली हमलों में ढह चुकी बहुमंजिला इमारतों के मलबे पर बैठकर संगीत की धुनें बिखेर रहे हैं.

सेलो वादक महदी साहेली टूटे हुए भवनों के मलबे पर बैठे सेलो बजा रहे हैं. (Photo:Insta/@mahdi.sahely)

बेरूत इस वक्त जंग के जख्मों से भरा शहर बन चुका है. इजरायली हमलों के बाद सड़कों पर मलबा पसरा है और कई इमारतें ढह चुकी हैं.

हजारों परिवार अपने घर छोड़ने को मजबूर हो गए हैं और पूरा शहर सदमे में है. इसी बीच एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जो इस तबाही के बीच भी उम्मीद की झलक दिखाती है. वायरल वीडियो में लेबनानी सेलो वादक महदी साहेली टूटे हुए भवनों के मलबे पर बैठे नजर आते हैं. चारों तरफ बिखरा कंक्रीट, मुड़ी हुई लोहे की सरियां और जंग के निशान साफ दिखाई देते हैं. लेकिन इसी माहौल में उनका संगीत गूंजता है, जो दर्द और उम्मीद दोनों को एक साथ बयां करता है. यह वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया है, जिसमें वह खंडहरों के बीच बैठकर सेलो बजाते दिखते हैं. महदी साहेली बेरूत में रहने वाले एक लेबनानी सेलो वादक हैं, जो अपने इंस्टा पेज पर ऐसी धुनों के वीडियो शेयर करते रहते हैं.

वीडियो के कैप्शन में लिखा है कि जंग और तबाही के बीच संगीत उम्मीद की धुन बनकर उभरता है और दर्द को सुरों में बदल देता है. ये वीडियो 15 मार्च का बताया जा रहा है, जो अब वायरल हो रहा है. सोशल मीडिया पर इस वीडियो को लेकर लोगों की भावनाएं उमड़ पड़ी हैं. कई यूजर्स ने इसे दिल छू लेने वाला बताया. एक यूजर ने लिखा कि तबाही के बीच संगीत की खूबसूरती दिखती है, वहीं दूसरे ने कहा कि यह देखकर दिल टूट जाता है. एक अन्य यूजर ने इसे अपने जीवन का सबसे अहम संगीत बताया. ⊙

सिर पर ईंट रखकर डांस करती दिखी महिला, मिले 5 मिलियन व्यूज

सोशल मीडिया पर हर दिन कुछ न कुछ नया वायरल होता रहता है. इसी बीच एक वीडियो लोगों का ध्यान तेजी से खींच रहा है, जिसमें एक मजदूर महिला का अनोखा अंदाज़ देखने को मिल रहा है. इस वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि ईंट भट्ठे पर काम करने वाली एक महिला अपने सिर पर कई ईंटों को बैसेंलस करके खड़ी है. हैरानी की बात यह है कि इतना भारी बोझ उठाने के बावजूद वह फाल्गुनी के गाने पर मजेदार अंदाज़ में डांस कर रही है और मुस्कुराते हुए रिएक्शन दे रही है. ⊙

वर्क-लाइफ बैलेंस के लिए युवाओं ने बदला काम का अंदाज़

Gen-Z में बढ़ा 'Lazy Girl Jobs' का क्रेज

आज का युवा वर्ग कड़ी मेहनत और तनावपूर्ण करियर के बजाय 'वर्क-लाइफ बैलेंस' को तरजीह दे रहा है. 'लेजी गर्ल जॉब्स' जैसे ट्रेंड्स दर्शाते हैं कि Gen-Z पेशेवर स्मार्ट वर्किंग, मानसिक शांति और व्यक्तिगत समय को सफलता का असली पैमाना मानने लगे हैं.

आज के समय में काम और करियर को लेकर युवा की सोच बदल रही है.

आज के समय में काम और करियर को लेकर युवा की सोच बदल रही है. पहले लोग मानते थे कि सफलता पाने के लिए ज्यादा मेहनत करनी, लंबे समय तक काम करने और हमेशा तेजी से काम करना जरूरी है. लेकिन अब कई युवा इस सोच को चुनौती दे रहे हैं. लेजी गर्ल जॉब्स नाम का वर्कप्लेस ट्रेंड यही दिखा रहा है कि सफलता हमेशा ज्यादा मेहनत करने से नहीं आती. कई युवा अब फ्लेक्सिबल काम के घंटे, बैलेंस वर्कलोड और बेहतर वर्क लाइफ बैलेंस को अपनी प्राथमिकता बना रहे हैं. उनका मानना है कि कम तनाव और व्यवस्थित काम करना भी आपको सफल बना सकता है. सोमवार सुबह 9:30 बजे, 26 साल की मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव रिया गुरुग्राम में अपने फ्लैट से अपने लैपटॉप में लॉग इन करती हैं. उनका शेड्यूल पहले से तय है- दो मीटिंग्स, एक कैंपेन अपडेट और शाम तक जमा करने वाली रिपोर्ट. शाम 5:30 बजे तक, रिया अपना लैपटॉप बंद कर देती हैं और योगा क्लास के लिए निकल जाती है. रिया की यह दिनचर्या पिछले साल के उसके काम से बहुत अलग है. पहले वह एक तनाव भरी कंसल्टिंग नौकरी करती थीं. ⊙

क्या है लेज़ी गर्ल जॉब्स?

लेज़ी गर्ल जॉब्स आज के दौर में ट्रेंडी शब्द है जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. इसका मतलब है ऐसी नौकरियां जो कम तनाव वाली हों, फ्लेक्सिबल काम के घंटे वाली और ओवरटाइम के बिना अच्छी सैलरी देने वाली हों. इन नौकरियों में आम तौर पर कम जिम्मेदारियां होती हैं जिससे नौकरी करने वाले लोग आराम से वर्क लाइफ बैलेंस कर सकते हैं. ⊙

युवक ने बजाई ऐसी धुन कि खिंची चली आईं भेड़-बकरियां

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक दिल छू लेने वाला वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो में पाकिस्तान के एक संगीतकार पहाड़ों के बीच बैठकर मशहूर गाना 'कल हो ना हो' अपनी रुबाब पर बजाते दिखाई दे रहे हैं, लेकिन इस शांत संगीत ने सिर्फ इंसानों को ही नहीं, बल्कि जानवरों को भी अपनी ओर खींच लिया. यह वीडियो पाकिस्तानी संगीतकार सागर हयात ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है. वीडियो में वह एक ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाके में चट्टान पर बैठकर रुबाब बजाते नजर आते हैं. ⊙

रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' ने तोड़े रिकॉर्ड, 'उस्ताद भगत सिंह' दे रही कड़ी टक्कर

बॉक्स ऑफिस पर हर हफ्ते कोई ना कोई फिल्म रिलीज होती है. इन फिल्मों के बीच क्लैश होना तो लाजिमी ही है. ऐसे ही 19 मार्च को बॉक्स ऑफिस पर 'धुरंधर 2' फिल्म रिलीज हुई जिसका बोलबाला भी बहुत ज्यादा है. इसी के साथ बॉक्स ऑफिस पर एक और फिल्म रिलीज हुई है, वो है पवन कल्याण की फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह'. इन दोनों ही फिल्मों को रिलीज हुए चार दिन हो चुके हैं. आइये बताते हैं दोनों फिल्मों का चौथे दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन.रणवीर सिंह स्टारर फिल्म 'धुरंधर 2' इस समय ट्रेंड में चल रही है. फिल्म का ओवरऑल कलेक्शन देखा जाए तो इसने बॉक्स ऑफिस में चार ही दिनों में कई रिकॉर्ड्स तोड़ दिए हैं. फिल्म ने सैकनिल्क के मुताबिक रिलीज के चौथे दिन 92.47 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. ये कलेक्शन सभी भाषाओ का मिलाकर है. इसे मिलाकर ओवरऑल कलेक्शन की बात करें तो रात 8:30 बजे तक इस फिल्म का टोटल कलेक्शन 431.7 करोड़ रुपये हो गया है. पवन कल्याण की ये फिल्म तेलुगू भाषा में रिलीज हुई है. ऐसे में इसका कलेक्शन केवल एक ही भाषा में देखा जा सकता है. पवन कल्याण की फैन फॉलोइंग तेलुगू भाषा की ऑडियंस के बीच भयंकर है. ऐसे में इस फिल्म ने सैकनिल्क के मुताबिक चौथे दिन 5.60 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. हालांकिये कलेक्शन पिछले द दिनों के हिसाब से थोड़ा कम ही है. फिल्म का कुल कलेक्शन रात 8:30 बजे तक 58.40 करोड़ रुपये हो गया है. तेलुगू भाषा में रणवीर सिंह के ऊपर पवन कल्याण की फिल्म भारी पड़ रही है. 'धुरंधर 2' के कलेक्शन से केवल तेलुगू भाषा का कलेक्शन देखें तो चौथे दिन इस फिल्म ने तेलुगू भाषा में सैकनिल्क के मुताबिक 3.89 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. तो वहीं पवन कल्याण की फिल्म ने चौथे दिन 5.60 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. ऐसे में इस भाषा में पवन कल्याण, रणवीर सिंह को पटखनी दे रहे हैं. बात करें 'धुरंधर 2' के हिंदी भाषा के कलेक्शन की तो इस फिल्म ने चौथे दिन केवल हिंदी भाषा में ही रात 8 बजे तक 86.64 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. हिंदी भाषा में तो ये फिल्म धमाल मचा रही है. लेकिन तेलुगू भाषा में इन दोनों फिल्मों के बीच अच्छी-खासी टक्कर चल रही है.

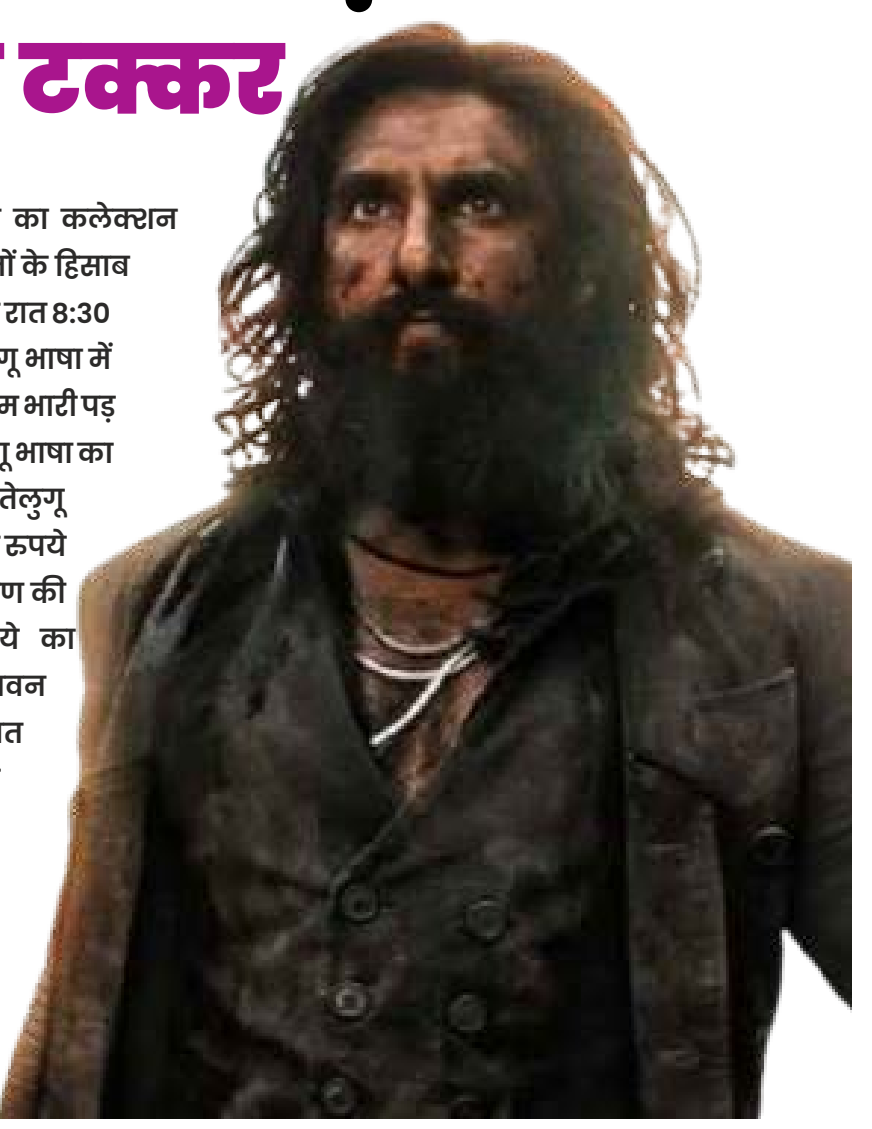

लखनऊ में बहू ने प्रेमी संग रची साजिश, सास की हत्या कर लूट का दिया रूप

पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में प्रेमी राजन ने बताया- मेरा 4 साल से रंजना से अफेयर था। इस बात की जानकारी घर में हो गई थी। पति और बेटे के काम पर जाने के बाद घर में रंजना, दोनों बेटियां और सास रहती थीं। बड़ी बेटी स्कूल-कोचिंग चली जाती थी। डेढ़ साल की छोटी बेटी अभी ऐसी बातों के लिए समझदार नहीं है। इसी वजह से हम लोगों ने सास की हत्या की प्लानिंग की।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में 36 साल की बहू ने प्रेमी के साथ मिलकर सास की हत्या कर दी। हाथ-पैर रस्सी से बांधे, फिर गला दबा दिया। वजह थी- सास प्रेमी से मिलने का विरोध करती थी। पुलिस के मुताबिक, किसी को उन पर शक न हो, इसलिए दोनों ने घर का CCTV बंद कर वारदात की। फिर कार से बाहर भाग गए।कुछ दूर जाकर सीसीटीवी को मोबाइल से ऑन कर दिया। थोड़ी देर बाद महिला का 18 साल का बेटा घर पहुंचा। दादी की लाश देखकर वह मां को कॉल करने लगा। इस पर दोनों को लगा कि अगर घर नहीं लौटे तो पकड़े जाएंगे। घबराहट में दोनों वापस घर आ गए।

अरोपी महिला रंजना वर्मा, सास निर्मला (69) की लाश देखकर रोने का नाटक करने लगी। कहने लगी कि लूटपाट के बाद हत्या की गई। हम बाहर घूमने गए थे। इधर, पोते के बुलाने पर पहुंची पुलिस ने छानबीन शुरू की तो 2 घंटे तक घर का CCTV ऑफ मिला। लेकिन घर के बाहर लगे CCTV में बहू प्रेमी राजन शर्मा (21) के साथ घर से बाहर जाती दिखाई दी।

मौके पर पहुंचा पुलिस का स्निफर डॉग सूंघते हुए प्रेमी के पास जाकर रुक गया। वह घबरा गया और उसे दूर भागने लगा। शक के आधार पर पुलिस ने उसे पकड़ लिया। सख्ती से पूछताछ की तो हत्या की बात कबूल कर ली। घटना शनिवार शाम 4 बजे महानगर इलाके की है। निर्मला देवी (69) निशातगंज गली नंबर-3 में रहती थीं। बेटा त्रिदेश वर्मा (40), बहू रंजना वर्मा, पोता आदित्य (18), पोती अंशिका (15) और सांवी (डेढ़ साल) भी उनके साथ रहते थे। निर्मला के पति राजाराम वर्मा सचिवालय से रिटायर्ड थे। उनकी 2 साल पहले मौत हो चुकी है। रंजना की करीब 20 साल पहले त्रिदेश से शादी हुई थी। दो मंजिला मकान के ग्राउंड फ्लोर पर निर्मला का परिवार रहता है, जबकि फर्स्ट फ्लोर पर 8 किराएदार हैं। इसमें ही एक कमरे में प्रेमी राजन शर्मा भी रहता था। निर्मला का बेटा त्रिदेश बिजली विभाग में किला पावर हाउस में संविदा पर तैनात है। पोता डिलीवरी बॉय का काम करता है। बड़ी बेटी अंशिका मामा के घर उन्नाव गई थी। शनिवार को त्रिदेश जॉब पर गया था। बहू रंजना और छोटी बेटी सांवी घर पर थीं। पोता डिलीवरी देने चला गया था। शाम 4 बजे घर लौटा। अंदर जाकर देखा तो कमरे में दादी के हाथ-पैर बंधे थे और वह बेहोश पड़ी थीं। पोते ने शोर मचाना शुरू कर दिया। आसपास के लोग आए उन्होंने चेक किया तो निर्मला देवी की मौत हो चुकी थी।

इस पर उसने पिता को फोन कर बुलाया और मां को भी कॉल किया। मां रंजना थोड़ी देर बाद राजन के साथ घर पहुंची। पुलिस ने बताया कि बहू रोते हुए सबसे पूछने लगी कि इन्हें क्या हो गया है। घटना के बाद मौके पर फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड पहुंचा। डॉग सूंघते हुए प्रेमी राजन के पास जाकर रुक गया। आसपास खड़े सभी लोग हक्के-बक्के रह गए। पुलिस ने CCTV चेक किए तो दोपहर 2 से शाम 4 बजे के बीच कैमरे बंद मिले। इससे पुलिस को संदेह हो गया कि कोई घर का ही व्यक्ति इसमें शामिल है। 4 बजे के बाद के फुटेज में बहू प्रेमी के साथ बाहर दिखाई दी। इसके बाद पुलिस दोनों को पकड़कर थाने ले गई।

सीएम योगी ने नर्सिंग अफसरों को दिए नियुक्ति पत्र

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी लखनऊ में रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 492 नवचयनित नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपा। बाकी, 736 अभ्यर्थियों को 13 राजकीय मेडिकल कॉलेजों और दो चिकित्सा संस्थानों में आयोजित लाइव कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों द्वारा नियुक्ति पत्र दिए गए। नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम लोकभवन में आयोजित हुआ। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा नर्सिंग क्षेत्र ऐसा है, जहां पूरी गारंटी है, कि आपने इस क्षेत्र में पढ़ाई की है तो नौकरी मिलेगी है। इनकी डिमांड सिर्फ यूपी या भारत ही नहीं विदेशों में भी है। पिछले 9 वर्ष में यूपी में 81 मेडिकल कॉलेज हो गए हैं। 2017 से पहले नियुक्ति जो जाती थी, लेकिन डॉक्टर अस्पताल जाएं या ना जाएं, मरीजों को इलाज मिले या न मिले, किसी से कोई मतलब नहीं होता था। अब व्यवस्थाएं बदली हैं। उन्होंने कहा कि जो एएनएम-जीएनएम कॉलेज पिछली सरकारों में बंद हो चुके थे, उन्हें हमने शुरू किया। 35 एएनएम कॉलेज और 31 नर्सिंग कॉलेज बेहतर किए गए। प्रदेश की डबल इंजन की सरकार ने हेल्थ केयर को प्राथमिकता पर लिया। पहले सब कुछ भगवान भरोसे चल रहा था। आज 14 करोड़ 28 लाख आभा आईकार्ड जारी किए गए हैं। 976 सीएचसी में टेली मेडिसिन की सुविधा दी जा रही है। सीएम ने कहा कि पहले माफिया और सरकार पैरलल चलते थे। लेकिन, आज माफिया का सिस्टम खत्म हुआ है। हमने एक जिला एक मेडिकल कॉलेज दिया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के मुताबिक, इन नियुक्तियों से सरकारी मेडिकल कॉलेजों में स्वास्थ्य सेवाएं और बेहतर होंगी। यह भर्ती प्रक्रिया उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से पूरी की गई है। नवचयनित नर्सिंग अधिकारियों की तैनाती आगरा, कानपुर, प्रयागराज, मेरठ, झांसी, गोरखपुर, अंबेडकरनगर, कन्नौज, आजमगढ़, जालौन, सहारनपुर, बांदा और बदायूं के मेडिकल कॉलेजों के साथ जेके कैंसर संस्थान और हृदय रोग संस्थान, कानपुर में की जाएगी। चयनित अभ्यर्थियों में 1097 महिलाएं और 131 पुरुष शामिल हैं।

पतंग के मांझे से मासूम घायल

लखनऊ में 6 पतंगबाजों पर पुलिस कार्रवाई

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में चाइनीज मांझे की चपेट में आने से 6 साल की बच्ची की गर्दन और हाथ की उंगली कट गई। डॉक्टरों ने उसकी गर्दन में 10 टांके लगाए। इलाज के बाद उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने इस मामले में 6 पतंगबाजों को गिरफ्तार किया है।

रविवार दोपहर करीब 3 बजे बच्ची अपने पिता की बाइक पर आगे बैठकर जा रही थी। इसी दौरान वह चाइनीज मांझे की चपेट में आ गई। घटना वजीरगंज के जगत नारायण रोड गोलागंज चौराहे की है। कैसरबाग ओडियन सिनेमा के पास खलील अहमद परिवार के साथ रहते हैं। रविवार दोपहर करीब 3 बजे वह बाइक से घर का सामान लेने जा रहे थे। उनकी 6 साल की बेटी अबीरा बाइक पर आगे बैठी थी। लालबत्ती चौराहे से कैसरबाग बस अड्डा जाने वाली रोड पर अचानक पतंग का मांझा अबीरा की गर्दन में फंस गया। इससे उसकी गर्दन और हाथ की एक उंगली कट गई। जब तक खलील बाइक रोकते, बच्ची के गहरे जख्म हो गए। उन्होंने बच्ची की गर्दन में रुमाल बांधकर खून रोकने की कोशिश की। आनन-फानन उसे अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उसकी गर्दन में 10 टांके लगाए। उंगली पर पट्टी बांधी। पिता बोले- चाइनीज मांझा से पतंग उड़ाने वालों को जेल हो बच्ची के पिता खलील ने चाइनीज मांझा से पतंग उड़ाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। खलील ने कहा- चाइनीज मांझा से पतंग उड़ाने वालों को पकड़-पकड़ कर

जेल भेजना चाहिए। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। पुलिस का कहना है कि चाइनीज मांझे से पतंग उड़ाने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। वजीरगंज थाना पुलिस ने रविवार दोपहर 3:15 बजे रीड हाल सेनेट्रियल कॉलेज के पास से चाइनीज मांझे से पतंग उड़ा रहे 6 लड़कों को गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान साजिद निवासी क्रिजेन कॉलेज रीड हाल, फहीन निवासी नरही, मो. आमिर निवासी गोलागंज, रिजवान निवासी जूं कॉलोनी, नासीर निवासी वाल्दा कॉलोनी और अल्तमस निवासी इस्लामिया कॉलेज के पीछे लालबाग के रूप में हुई।

लखनऊ-श्रीनगर सीधी उड़ान सेवा फिर शुरू

पहलगाम हमले के बाद थी बंद

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

यात्रियों की मांग पर गत वर्ष 30 मार्च को इंडिगो ने लखनऊ से श्रीनगर के लिए सीधी उड़ान सेवा शुरू की थी। इसकी लोकप्रियता का अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि शुरुआती बीस दिनों में विमान दोनों ओर से फुल रहा। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद यात्रियों की संख्या में बड़ी गिरावट आई जो 180 से घटकर 35 पहुंच गई थी। घाटे के कारण इस विमान सेवा को छह मई 2025 को बंद कर दिया गया था। यह सेवा सिर्फ 35 दिन ही चल पाई थी। इसके बाद से लखनऊ से श्रीनगर जाने वाले यात्रियों की निर्भरता कनेक्टिंग उड़ानों पर बढ़ गई। लखनऊ से श्रीनगर जाने के लिए अब दिल्ली होकर जाना पड़ता है जिससे यात्रा में अधिक धन-समय खर्च होता है। सूत्र बताते हैं कि फिर से इस सेवा को शुरू करने के लिए सर्वे चल रहा है। एक से डेढ़ महीने में विमान सेवा दोबारा शुरू हो सकती है। इससे गर्मी की छुट्टियों में कश्मीर घूमने की योजना बना रहे लोगों बहुत फायदा मिलेगा।

फोन पर भाजपा विधायक को जान से मारने की धमकी

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

मोहनलालगंज के भाजपा विधायक अमरेश रावत को फोन पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। हालांकि नगराम पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। विधायक अमरेश रावत ने बताया कि 21 मार्च को वह दारूलशफा स्थित अपने कार्यालय में मौजूद थे कि दोपहर बाद करीब 2:21 बजे उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आई। उस समय फोन उनके सहयोगी उत्तम कुमार के पास था। कॉल रिसीव करते ही युवक ने अभद्र भाषा का प्रयोग शुरू कर दिया और जातिसूचक शब्दों के साथ जान से मारने की धमकी दी। मामले की गंभीरता भांपते हुए जब उन्होंने स्वयं फोन लेकर अपना परिचय देते हुए कॉल करने वाले से बात की फिर भी आरोपी नहीं रुका। अपशब्दों एवं जातिसूचक भाषा प्रयोग कर गालियां व धमकियां देता रहा। इसके बाद ड्राइवर अनिल रावत ने जब दूसरे नंबर से उसे कॉल बैक किया तो उसे भी गालियां और धमकियां दी गईंविधायक अमरेश रावत द्वारा अपनी पार्टी के स्थानीय कार्यकर्ता नगराम के असलमनगर निवासी बीजक प्रकाश को उक्त युवक का मोबाइल नंबर देकर काल करने वाले का पता लगाकर मामला जानने को कहा।

अखिलेश यादव बोले: सपा की सरकार बनी तो महिलाओं को देंगे 40 हजार की सम्मान राशि

अखिलेश ने प्रदेश सपा मुख्यालय पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि गोरखपुर की घटना को लेकर भाजपा के ही सांसद राधामोहन दास अग्रवाल ने कहा कि हत्यारों को बचाया गया तो राज्यसभा में नंगा कर देंगे। आखिर कौन दोषी है। वाराणसी में छात्र की खुलेआम हत्या हो गई। बदायूं की घटना में मां ने बताया कि कई बार शिकायत की गई थी कि जान को खतरा है लेकिन सुनवाई नहीं हुई। मथुरा में संत की हत्या हो गई। उन्होंने कहा कि लखनऊ में इस सरकार ने ग्रीन कॉरिडोर नहीं, बर्बाद कॉरिडोर बनाया हैं, उसी डिजाइन में खामियां है। उद्घाटन के बाद ही कॉरिडोर धंस गया। इस पर पैदल चलने के लिए कोई जगह नहीं है। झांसी में भाजपा नेताओं ने गैस सिलेंडर का ट्रक गायब कर दिया। मुकद्दर का सिलिंडर जैसी स्थिति हो गई है। संयोग से ही रसोई गैस मिल पा रही है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा ने अभी से अधिकारियों की सेटिंग शुरू कर दी है। पश्चिम बंगाल में भाजपा चाहे जो कर ले, चाहे जितने अधिकारी बदल दें वहां ममता बनर्जी फिर चुनाव जीतेंगी। संघ परिवार के बड़ी संख्या में लोग पश्चिम बंगाल भेजे गए हैं। चुनाव के बाद इन्हें यूपी में उतारने की भाजपा की योजना है, लेकिन यहां हमने भी पूरी तैयारी कर रखी है। उन्होंने कहा कि रूठों को मनाने के लिए भाजपा मंत्रिमंडल विस्तार कर सकती है, लेकिन इसका कोई लाभ चुनाव में नहीं मिलेगा। समाजवादी पार्टी के सरकार बनने पर पुनः समाजवादी पेंशन शुरू की जाएगी। महिलाओं को विशेष सम्मान देकर नारी समृद्धि सम्मान योजना में हर साल 40 हजार रूपये देंगे।

अखिलेश अवस्थी दोबारा जिलाध्यक्ष मनोनीत,

उन्नाव में स्वागत के साथ लिया बड़ा संकल्प

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष पद पर अखिलेश अवस्थी को पुनः मनोनीत किया गया है। इस अवसर पर व्यापारियों और समर्थकों ने उनका भव्य स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों की गूंज और आतिशबाजी के साथ कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में व्यापारी, पदाधिकारी और समर्थक उपस्थित थे।

अपने संबोधन में अखिलेश अवस्थी ने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविकांत गर्ग और प्रदेश अध्यक्ष अरुण अग्रवाल के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उन्हें दोबारा यह जिम्मेदारी सौंपना व्यापारियों के विश्वास का प्रतीक है।

अवस्थी ने बताया कि पिछले तीन वर्षों का कार्यकाल व्यापारियों और संगठन के पदाधिकारियों की एकजुटता के कारण सफल रहा। उन्होंने आगे भी पूरी निष्ठा के साथ व्यापारियों की समस्याओं को उठाने का संकल्प लिया। अवस्थी ने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर व्यापारियों का शोषण और उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि व्यापारियों के अधिकारों का हनन होता है, तो वे मजबूती से आवाज उठाएंगे।

उन्होंने व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए हर संघर्ष के लिए तैयार रहने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान छोटे व्यापारियों और रेहड़ी-पटरी वालों की समस्याओं पर भी चर्चा हुई। अवस्थी ने कहा कि इन व्यापारियों को अक्सर प्रशासनिक कार्रवाई का सामना करना पड़ता है, जिससे उनकी आजीविका प्रभावित होती है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि ऐसे व्यापारियों को हटाने से पहले उन्हें वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराया जाए और व्यवस्थित पुनर्वास सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बिना उचित व्यवस्था के छोटे व्यापारियों को हटाया गया, तो संगठन इसका खुलकर विरोध करेगा और उनकी आजीविका बचाने के लिए आंदोलन करने से भी पीछे नहीं हटेगा। कार्यक्रम का माहौल उत्साहपूर्ण रहा। समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मनाया और आतिशबाजी कर अपनी खुशी व्यक्त की। व्यापारियों ने उम्मीद जताई कि नए कार्यकाल में संगठन व्यापारिक समस्याओं के समाधान और उनके हितों की सुरक्षा के लिए और अधिक सक्रिय भूमिका निभाएगा।

कार्यक्रम के अंत में जिलाध्यक्ष ने सभी व्यापारियों से एकजुट रहने और संगठन को मजबूत बनाने की अपील की।

कानपुर-लखनऊ गंगापुल पर 2 अप्रैल से मेगा ब्लॉक मरम्मत कार्य के चलते ट्रैफिक प्रभावित

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जिले से गुजरने वाले कानपुर-लखनऊ रेलखंड पर स्थित गंगा रेलवे पुल पर 2 अप्रैल से मेगा ब्लॉक लिया जाएगा। रेलवे प्रशासन ने पुल पर जर्जर हो चुके टर्फ (पटरी संरचना) को बदलने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। रेलकर्मी लगातार ट्रैक को दुरुस्त करने के कार्य में जुटे हुए हैं।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, गंगा पुल देश के व्यस्त रेल मार्गों में से एक है, जहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री और मालगाड़ियां गुजरती हैं। लगातार उपयोग और मौसमी प्रभावों के कारण ट्रैक के कुछ हिस्सों में घिसाव और कमजोरी पाई गई थी। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जर्जर टर्फ को बदलने का निर्णय लिया गया है। मेगा ब्लॉक से पहले डाउन लाइन पर स्लीपर पैकिंग का कार्य पूरा किया गया है। रेल कर्मियों ने ट्रैक के नीचे गिट्टी को व्यवस्थित कर स्लीपरों को मजबूत आधार प्रदान किया। कर्मचारियों ने बताया कि इससे ट्रेनों के गुजरते समय स्लीपरों में उछाल नहीं आएगा और यात्रियों को झटके महसूस नहीं होंगे। इस प्रक्रिया से ट्रैक की स्थिरता बढ़ेगी और ट्रेन संचालन अधिक सुरक्षित होगा। रेलवे इंजीनियरिंग विभाग की टीम लगातार पुल और ट्रैक का निरीक्षण कर रही है। मेगा ब्लॉक के दौरान पुराने टर्फ को हटाकर नए और मजबूत संरचनात्मक हिस्से लगाए जाएंगे। इस कार्य के कारण कुछ ट्रेनों के संचालन पर आंशिक प्रभाव पड़ सकता है, जिसके लिए रेलवे जल्द ही संशोधित समय सारिणी जारी करेगा। यात्रियों से यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति की जानकारी लेने की अपील की गई है।

उन्नाव में पंचायती राज विभाग में 1.90 करोड़ का घोटाला

शासन ने दिए जांच के आदेश

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जिले के पंचायती राज विभाग में करोड़ों रुपये के भुगतान को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। विभाग ने विभिन्न विकास कार्यों के लिए सामग्री आपूर्ति के नाम पर जय बुढ़वा बाबा इंटरप्राइजेज फर्म को लगभग 1 करोड़ 90 लाख रुपये का भुगतान किया। इस भुगतान से पारदर्शिता और निविदा प्रक्रिया पर सवाल उठने लगे हैं।

सूत्रों के अनुसार, नवाबगंज, बिछिया, पुरवा, सुमेरपुर, हसनगंज और सिकंदपुर कर्ण विकास खंडों में पंचायत कार्यों हेतु सामग्री आपूर्ति का जिम्मा इस फर्म को दिया गया। अलग-अलग ब्लॉकों में होने वाले कार्यों के बावजूद अधिकांश भुगतान इसी एक संस्था के खाते में किए गए। अन्य स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं को दरकिनार कर नियमों की अनदेखी करने का आरोप लगाया जा रहा है।

शासन ने जांच के आदेश दिए

मामला उजागर होने के बाद शासन ने संपूर्ण भुगतान प्रक्रिया, टेंडर आवंटन, सामग्री आपूर्ति और गुणवत्ता से जुड़े अभिलेखों की जांच के निर्देश जारी किए हैं। संबंधित ब्लॉकों से बिल-वाउचर, भुगतान विवरण और कार्य पूर्णता प्रमाणपत्र तलब किए गए हैं। जांच टीम यह भी देखेगी कि सामग्री वास्तविक रूप से आपूर्ति हुई या केवल कागजी रूप से धनराशि जारी की गई। विभागीय अधिकारियों की प्रतिक्रिया

डीपीआरओ आलोक सिन्हा ने कहा कि जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों में भी मामले को लेकर चर्चा तेज हो गई है। यदि अनियमितता सिद्ध होती है, तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की संभावना है।

बड़े खुलासे की उम्मीद

फिलहाल शासन की जांच रिपोर्ट का इंतजार है। विशेषज्ञों का मानना है कि जांच के बाद पूरे मामले में और बड़े खुलासे हो सकते हैं, जो विभागीय कार्यप्रणाली और भुगतान प्रक्रिया में गंभीर सवाल खड़े करेंगे।

उन्नाव में सवर्ण एकता मंच का शक्ति प्रदर्शन:

आरक्षण और जातिवाद पर तीखे बयान, एकजुटता का आह्वान

उन्नाव।

राष्ट्रीय सवर्ण एकता मंच के तत्वावधान में होली मिलन एवं हिन्दू नववर्षाभिनन्दन समारोह का आयोजन ए0जी0 फार्म, मगरवारा, उन्नाव में आयोजित किया गया कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन व शंखनाद के साथ हुआ कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर डॉ0 मनोज श्रीवास्तव व संचालन राज्य कर्मचारी संयुक्त संस्थान के प्रदेश उपाध्यक्ष उमा निवास बाजपेयी ने किया। अपने वक्तव्य में राष्ट्रीय सवर्ण एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील कुमार शुक्ला, एडवोकेट ने कहा कि सवर्ण समाज को जातिगत आरक्षण आदि व्यवस्थाओं के समापन के लिये एकजुट होना पड़ेगा और इसी से देश से जातिवाद का उन्मूलन होगा। श्री शुक्ला ने आगे कहा कि अब सरकारें जातिवाद को कागजों पर जिन्दा नहीं रख सकेंगी क्योंकि समाज जाग चुका है। राष्ट्रीय महामंत्री प्रमोद सिंह सेंगर ने अपने वक्तव्य में कहा कि सवर्णों की आपसी एकजुटता से सनातन धर्म व राष्ट्र सशक्त बनेगा, श्री सेंगर ने कहा कि सरकारें फूट डालो साशन करो की कार्यशैली पर कार्य कर रही है। समाज जाग गया है, हर सनातनी सवर्ण है। प्रदेश अध्यक्ष सुशील कुमार शुक्ल ने कहा कि सवर्ण समाज अब जागृत हो गया है अब जुल्मों को नहीं सहेगा और जो सरकारें सवर्ण विरोधी मानसिकता से कार्य करेंगी उनको सवर्ण समाज नेस्तनाबूद करने का काम करेगा। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ0 मनोज श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा कि सवर्ण समाज किसी की लकीर छोटी नहीं करता है इसलिये किसी फकीर था वजीर को सवर्ण समाज की लकीर छोटी करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में कहा कि छद्मवेशी राजनैतिक दल विकास के नाम पर वोट लेते हैं और विनाश की राजनीति करते हैं।

टीवी भारतवर्ष न्यूज़ नेटवर्क के लिए एडिटर मुनिष् शुक्ला जी के साथ जनपद उन्नाव से जिला ब्यूरो अभिषेक मिश्रा की एक विशिष्ट रिपोर्ट

पीएम मोदी कब करेंगे उद्घाटन?

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन की तैयारियां अपने अंतिम चरण पर हैं। सीएम योगी ने आज एयरपोर्ट पर जाकर तैयारियों का जायजा लिया है। पीएम मोदी इस एयरपोर्ट का उद्घाटन करने वाले हैं।

टीवी भारतवर्ष उत्तर प्रदेश

नोएडा के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अब जल्द ही उड़ानें शुरू होने वाली हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मार्च को नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे। इसके मद्देनजर कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को नोएडा पहुंचे। मुख्यमंत्री दोपहर में हेलीकॉप्टर से जेवर स्थित हवाई अड्डा पहुंचे और करीब डेढ़ घंटे तक अधिकारियों के साथ बैठक कर उद्घाटन समारोह की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की।

जेवर एयरपोर्ट पहुंचे पीएम मोदी

मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर पुलिस, यमुना प्राधिकरण और जिला प्रशासन ने व्यापक तौर पर तैयारियां की थीं। सीएम योगी आदित्यनाथ लखनऊ से हवाई मार्ग से गाजियाबाद के हिंडन हवाई अड्डा पहुंचे, जहां से वह हेलीकॉप्टर के जरिए जेवर स्थित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुंचे।

तैयारियों का लिया जायजा

इस बैठक में अधिकारियों ने समारोह की रूपरेखा, सुरक्षा योजना, जनसभा में आने वाले लोगों की संभावित संख्या और बैठने की व्यवस्था सहित अन्य तैयारियों की जानकारी दी। साथ ही प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा प्रबंधों की भी समीक्षा की गई।

सुरक्षा व्यवस्था की भी हुई जांच

मुख्यमंत्री के साथ उत्तर प्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार और विशेष सचिव ईशान प्रताप सिंह भी गौतमबुद्ध नगर पहुंचे। उन्होंने हवाई अड्डा परिसर और जनसभा स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

पार्किंग व्यवस्था को भी देखने पहुंचे सीएम योगी

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के सभागार में आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जनसभा के लिए पार्किंग व्यवस्था का सुव्यवस्थित मानचित्र तैयार करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, चिकित्सा सुविधा, अग्नि सुरक्षा और आपातकालीन सेवाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को भी कहा।

ये बड़े अधिकारी भी रहे मौजूद

मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान गौतम बुद्ध नगर के सांसद डॉक्टर महेश शर्मा, प्रभारी मंत्री कुंवर बृजेश सिंह, जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह, पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह, जिलाधिकारी मेघा रूपम, यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह, नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) क्रिस्टोफ श्रेलमैन और सीओओ किरण जैन सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

दो पक्षों के बीच जमकर चले ईंट पत्थर कई लोग घायल

टीवी भारतवर्ष उत्तर प्रदेश

संभल में असमोली थाना क्षेत्र के गांव ओबरी में ईद के दिन खुशियों का माहौल उस समय तनाव में तब्दील हो गया। जब एक मामूली विवाद ने उग्र रूप ले लिया। यहां दो पक्षों के बीच शुरू हुई कहासुनी देखते ही देखते पथराव में बदल गई। इससे पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई। ईंट-पत्थरों की बौछार के बीच लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए। जानकारी के मुताबिक, विवाद की जड़ बेहद ही साधारण थी। गांव में कीचड़ भरे रास्ते से वाहन निकलने के दौरान कुछ लोगों के कपड़ों पर कीचड़ पड़ गया। इसी बात को लेकर जावेद और फिदा हुसैन पक्ष के बीच बहस शुरू हुई। जो कुछ ही देर में बढ़कर झगड़े में तब्दील हो गई। माहौल इतना बिगड़ गया कि एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर पत्थराव शुरू कर दिया। अचानक हुए इस हमले से गांव में भगदड़ जैसे हालात बन गए। महिलाओं और बच्चों में खासा डर देखने को मिला। इस घटना में कुछ लोग चोटिल होने की सूचना है। हालांकि किसी के गंभीर रूप से घायल होने की बात सामने नहीं आई है। घटना के बाद कुछ समय तक पूरे इलाके में तनाव बना रहा। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में किया। पुलिस बल की तैनाती के बाद स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हुई। फिलहाल गांव में शांति व्यवस्था कायम है। लेकिन एहतियातन पुलिस निगरानी बढ़ा दी गई है। सीओ कुलदीप कुमार ने पूरे मामले पर स्पष्ट करते हुए कहा कि असमोली थाना क्षेत्र के गांव ओबरी में जावेद और फिदा हुसैन पक्ष के बीच कपड़ों पर कीचड़ पड़ने को लेकर विवाद हुआ था। इस दौरान एक पक्ष ने एकत्र होकर दूसरे पक्ष पर पथराव और गाली-गलौज की। फिदा हुसैन की तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस घटना का ईद की नमाज या किसी धार्मिक कार्यक्रम से कोई संबंध नहीं है।

फिल्म धुरंधर-2 में अतीक अहमद की कहानी

मीडिया के सवालों पर आगरा में भड़के शिवपाल यादव, बयान से बढ़ी हलचल

यूपी के आगरा स्थित यमुनापार के शाहदरा में निजी हॉस्पिटल के उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचे सपा राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोला। शंकराचार्य के अपमान से लेकर गौशालाओं की बदहाली और फिल्म 'धुरंधर-2' को लेकर पूछे गए सवालों पर उन्होंने खुलकर अपनी बात रखी। शंकराचार्य के अपमान के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि भाजपा सनातन धर्म का सम्मान करने के बजाय उसका अपमान कर रही है। आरोप लगाया कि भाजपा केवल दिखावे की राजनीति कर रही है, जबकि जमीनी स्तर पर धार्मिक और सामाजिक मूल्यों की अनदेखी हो रही है। गौशालाओं की स्थिति पर सवाल उठाते हुए शिवपाल यादव ने कहा कि प्रदेश में गौशालाओं की हालत बेहद खराब है। सपा सरकार बनने पर गौसेवा को प्राथमिकता दी जाएगी और व्यवस्थाओं को सुधारा जाएगा। उन्होंने एक बड़ा राजनीतिक एलान करते हुए कहा कि सपा सरकार आने पर देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के पैतृक स्थान बाह क्षेत्र को जिला बनाया जाएगा। ताकि क्षेत्र का समुचित विकास हो सके। वहीं, 'धुरंधर-2' फिल्म में माफिया अतीक अहमद के पाकिस्तान से रिश्तों को लेकर पूछे गए सवाल पर शिवपाल यादव भड़क गए। उन्होंने मीडिया पर ही सवाल उठाते हुए कहा कि भाजपा का एजेंडा सेट करके आप लोगों को भेजा गया है। इस दौरान उन्होंने कुछ मीडिया कर्मियों को भाजपा का एजेंट तक बता दिया। शिवपाल यादव के इस दौरे और बयानों से आगरा की सियासत में हलचल तेज हो गई है।